यह कैसे फैलती है

यह बीमारी किसी बीमार बिल्ली के मल, मूत्र, लार या उल्टी से फैलती है। संक्रमित स्थान भी इस बीमारी को फैला सकते हैं।

किसी संक्रमित बिल्ली के साथ काम करने वाले या उसके मालिक के कपड़ों और जूतों से भी यह बीमारी अन्य बिल्लियों में फ़ैल सकती है।

इसका विषाणु वातावरण में पहुँचने के बाद कई वर्ष तक जीवित रह सकता है, और ऐसा खाने के कटोरों, बिस्तरों, और लिटर ट्रे की सतह पर हो सकता है। बीमारी को फैलने से रोकने के लिए सफ़ाई पर ध्यान देना महत्त्वपूर्ण है। संक्रमित बिल्ली छह सप्ताह तक संपर्क द्वारा या वातावरण में विषाणु फैला सकती है। यदि आपकी बिल्ली बीमार हो जाती है, तो यह महत्त्वपूर्ण है कि बीमारी को फैलने से रोकने के लिए, उसे अन्य बिल्लियों से अलग रखा जाए।

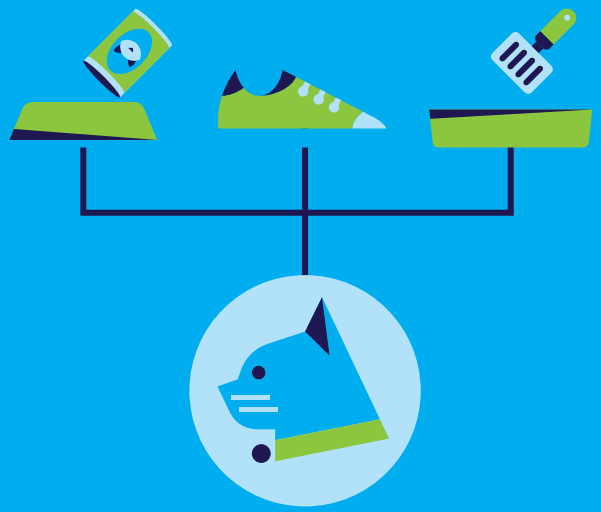

RSPCA Victoria

rspcavic.org

03 9224 2222

3 Burwood Highway
Burwood East VIC 3151

दि रॉयल सोसाइटी फॉर दि प्रिवेंशन ऑफ़ क्रूएल्टी टु एनीमल्स
(विक्टोरिया) ए बी एन 56 749 449 191 | ए सी एन 131 965 761

RSPCA Victoria

बिल्लियों में पैनल्यूकोपेनिया

बिल्लियों की एक गंभीर बीमारी

पैनल्यूकोपेनिया, विषाणु से फैलने वाली बिल्लियों की एक गंभीर बीमारी है जो कुत्तों में पाई जाने वाली पार्वोवायरस बीमारी की तरह बिल्लियों को प्रभावित करती है। यह बिल्लियों में आसानी से फ़ैल जाती है, इस पर नियंत्रण पाना अत्यधिक कठिन है और यह जीवनघातक हो सकती है। विषाणु से बचने के लिए टीका लगवाना आवश्यक है।

बिल्लियों में इसके लक्षण

- भूख न लगना
- अत्यधिक थकान होना
- उल्टी आना
- ज्वर या तापमान में लगातार परिवर्तन होना
- शरीर में पानी की कमी हो जाना
- दस्त (कभी-कभी इनमें रक्त भी हो सकता है)
- बिल्ली का सिर पानी या खाने के कटोरे के ऊपर होना पर उसका न तो पानी पीना, न खाना खाना

बीमारी के फैलाव को रोकना

वातावरण को विषाणुमुक्त करने और विषाणु के अन्य बिल्लियों में फैलने को रोकने के लिए खाने के कटोरों, लिटर ट्रे, बिस्तरों और पिंजरों को डिसइन्फेकटेंट से रगड़ कर साफ़ करना महत्त्वपूर्ण है।

जिस सतह पर बीमारी के कीटाणु हों, उसे वेटरनरी ग्रेड डिसइन्फेकटेंट (जैसे एफ़ 10) से, या घर में इस्तेमाल करने के ब्लीच को पानी में मिला कर (एक हिस्सा ब्लीच, 30 हिस्से पानी) साफ़ करें। सफ़ाई के लिए आप जो भी पदार्थ प्रयोग करें, उसे ठोस सतह पर 10-15 मिनट तक पड़ा रहने दें। उसके बाद सतह को पानी से धो दें या अच्छी तरह साफ़ कर दें ताकि सफ़ाई के पदार्थ से पालतू पशुओं को कोई हानि न हो। यदि नरम चीजों पर कीटाणुओं के होने का अंदेशा हो तो उन्हें फेंक दें।

यदि आपके घर में कई पालतू पशु हैं तो हम यह सलाह देंगे कि आप बीमार पशुओं को सबसे बाद में खाना खिलाएँ और पुचकारें, और ध्यान दें कि बीमारी अन्य पशुओं में न फैले।

जो बिल्ली बीमार है, जब तक वह पूरी तरह से स्वस्थ न हो जाए, उसे अन्य बिल्लियों से अलग रखें। उसके खाने के कटोरे, लिटर ट्रे और बिस्तरे को अलग से धोएँ। अन्यथा, यह बीमारी अन्य जानवरों को भी हो सकती है।

यदि आपको आपकी बिल्ली के स्वास्थ्य या तंदुरुस्ती को लेकर कोई चिंता है, तो जितनी जल्दी हो सके, अपने पशु-चिकित्सक से बातचीत करें।

रोक-थाम

सभी बिल्लियों के लिए हर वर्ष पशु-चिकित्सक द्वारा एक टीका लगवाने की सिफ़ारिश की जाती है और टीका उन्हें बिल्लियों के पैनल्यूकोपेनिया से बेहतरीन सुरक्षा प्रदान करता है।

उपचार

पैनल्यूकोपेनिया का उपचार अत्यधिक कठिन है। जिन बिलौटों को इसके टीके न लगे हों, जब उन्हें यह बीमारी होती है तो लगभग 90% की मृत्यु हो जाती है। यह महत्त्वपूर्ण है कि पशु-चिकित्सक को जल्दी से जल्दी दिखाया जाए।

पशु-चिकित्सक बिल्ली का उपचार करेगा जिसमें एंटीबायोटिक, इंटरावेनस ट्यूब से तरल पदार्थ देना और कई बार रक्त देना भी शामिल हो सकते हैं।

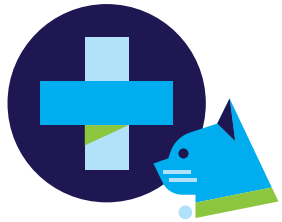

कदम 1

पशु-चिकित्सक से सहायता लें

कदम 2

संक्रमित बिल्लियों को अन्य बिल्लियों से अलग रखें

कदम 3

सतहों को ब्लीच से रगड़ कर साफ़ करें